Royal Harbinger

संगम विश्वविद्यालय, भीलवाड़ा

दशम दीक्षांत समारोह......एक अविस्मरणीय पल ।।

छात्राओं ने मारी बाजी, यादगार एवं गौरवशाली पल...

दशम दीक्षांत समारोह में 01 डीएससी, 29 पीएचडी, 25 गोल्ड मेडल, 561 डिप्लोमा सर्टिफिकेट सहित कुल 783 को डिग्री एवं प्रदान किए गए, परीक्षा प्रो. जगभूषण शर्मा ने यह यादगार पल बताए ।

अध्यक्षीय उनोधन रामपाल सोनी ने सभी विद्यार्थियों को कहा कि विद्यार्थियों को तकनीक तथा समय के अनुसार अपने आप को परिवर्तित करना चाहिए तथा अपने मूल सिद्धांतों को हमेशा याद रखना चाहिए दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियो को बताया की शिक्षा कालजयी होनी चाहिए जिस पर किसी भी समय का प्रभाव न पडे शिक्षा ऐसी भी होनी चाहिए जो हमेशा बदलाव के लिए तैयार करें, शोध परक बदलाव बहुत आवश्यक है। उन्होंने विश्वविद्यालय की सफलता के आयाम के लिए संगम विश्वविद्यालय परिवार तथा कुलपति प्रो. करुणेश सक्सेना का धन्यवाद ज्ञापित किया।

श्री रामपाल सोनी,
चेयरमैन, संगम समूह

दीक्षांत भाषण में अतिथि प्रो. जीडी शर्मा ने बदलते हुए युग के साथ आज की नवीन तकनीक एवं परिवर्तन में युवाओं को तैयार रहने के लिए कहा नवीन आईटी तकनीक, चैट जीपीटी के साथ नवीन शिक्षा नीति 2020 पर अपने विचार रखे संगम विश्वविद्यालय की सफलता की प्रसंशा करते हुए कहा कि एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटी का हमेशा संगम विश्वविद्यालय को पूर्ण सहयोग देने का बात कही। एआईयू विश्व का सबसे पुरानी तथा दूसरे नंबर की संस्था है जिसके संकल्प से यूजीसी का निर्माण हुआ है।

दीक्षांत भाषण अतिथि प्रो.जीडी शर्मा,
अध्यक्ष, भारतीय विश्वविद्यालय संघ
(एआईयू) नई दिल्ली

इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड द्वारा सम्मान

7–8 अप्रैल 2023 को स्कूल ऑफ मैनेजमेंट द्वारा इंटरनेशनल कांफ्रेंस का आयोजन किया गया जिसमे 250 से अधिक छात्र छात्राओं ने भाग लिया एवं पेपर प्रस्तुत किए। इस मील के पत्थर को देश भर में किसी भी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में अब तक की सबसे अधिक छात्र भागीदारी के रूप में इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज और नामांकित किया गया है। दीक्षांत समारोह में इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड से पधारे श्री भुवनेश चंद्र मथुरिया द्वारा विश्वविद्यालय को अवार्ड दिया गया

मुख्य अतिथि ने उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय के छात्रों ने विज्ञान एवं तकनीक के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की है ,जिनमे प्रमुख रूप से चंद्रयान 3 की सफलता में विश्वविद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों का योगदान रहा है। आपने क्लाइमेट चेंज के दुष्प्रभावों को रेखांकित करते हुए क्लीन एवं ग्रीन एनर्जी के उपयोग करने पर बल दिया।

प्रमुख अतिथीः
श्री भुवन चंद्र पाठक,
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, न्यूक्लियर पॉवर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, परमाणु ऊर्जा विभाग, भारत सरकार

प्रोफेसर करुणेश सक्सेना ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया तथा उन्होंने विश्वविद्यालय के शैक्षिणक, गैर शैक्षिणक, शोध, खेलकूद, एनसीसी, एनएसएस, शिक्षकों एवं विद्यार्थियो की उपलब्धियों आदि के बारे में सभी को अवगत कराया। संगम विश्वद्यालय की सफलता का श्रेय श्री अनुराग सोनी की युवा एवं गतिशील नेतृत्व को जाता है। हर वर्ष की भांति इस वर्ष का सफलता का लीप मॉडल (लेट्स एक्सल इन एकेडमिक परस्यूट) समझाया।

प्रोफेसर करुणेश सक्सेना,
कुलपति, संगम विश्वविद्यालय

गार्ड ऑफ ऑनर मुख्य अतिथि

पेटेंट, शोध, प्रोजेक्ट विश्वविद्यालय में 95 से अधिक पेटेंट एवं ग्रांट, 750 से अधिक शोध पत्र पकाशित, 90 से अधिक पीएचडी, पीडीएफ, 300 से अधिक कान्फ्रेंस, सेमिनार वर्कशॉप फैकल्टी द्वारा किए गए है। इसी तरह कई प्रोजेक्ट ग्रांट जैसे डीएसटी टीबीआई, हेकाथन, नाबार्ड, सर्व, एनआईआरएम, भारत सरकार से विश्वविद्यालय को मिले है।

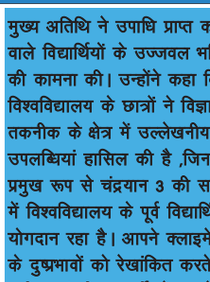

दशम दीक्षांत समारोह......एक अविस्मरणीय पल ।।

अंतराष्ट्रीय एमओयू समझौता वियतनाम

अंतराष्ट्रीय समझौता जनवरी 2024 में कुलपति प्रो. करुणेश सक्सेना की वियतनाम यात्रा के दौरान अनटैक एड न्यू दिल्ली के प्रतिनिधि सुल्ताना खान के सहयोग से वियतनाम की ब्रिटिश यूनिवर्सिटी सहित छः पतिष्ठित यूनिवर्सिटी के साथ संगम विश्वविद्यालय का एमओयू किया गया, जिसके तहत फैकल्टी एवं छात्र आपस में एक्सचेंज कार्यकर्म के तहत आपस में आएंगे जायेंगे।

दीक्षात कार्यक्रम में दिलाई शपथ

कुलसचिव प्रो. राजीव मेहता ने डिग्री लेने से पूर्व सभी छात्र छात्राओं को सत्य, निष्ठा, ईमानदारी की शपथ दिलाई। सभी का धन्यवाद प्रो. प्रेसिडेंट प्रोफेसर मानस रंजन पाणिग्रही ने किया।

कई गणमान्य नागरिक एवं अतिथि रहे उपस्थित

कार्यक्रम में आईआईएम त्रिचि अवध एन सोमनाथ, सेंट्रल के निदेशक प्रो. पी के सिंह ने अकादमी प्रिंसिपल डॉ.शालिनी भी अपनी उपस्तिथि दर्ज दीक्षित, केसर बाई कराई। संगम ग्रुप के वाइस सोनी हॉस्पिटल सीईओ श्याम चेयरमैन डॉ. एसएन बिड़ला, संगम कॉरपोरेट मोदानी, मैनेजिंग डायरेक्टर एचआर मनीष स्वामी, सीए अनुराम सोनी, एक्जीक्यूटिव निर्भीक गांधी, एनसीसी से डायरेक्टर वीके सोडाणी, श्रीमती वीना आदि उपस्थित एसडीएम भीलवाडा आईएएस थे ।

गार्ड ऑफ ऑनर मुख्य अतिथि

कार्यक्रम में आईआईएम त्रिचि अवध एन सोमनाथ, सेंट्रल के निदेशक प्रो. पी के सिंह ने अकादमी प्रिंसिपल डॉ.शालिनी भी अपनी उपस्तिथि दर्ज दीक्षित, केसर बाई कराई। संगम ग्रुप के वाइस सोनी हॉस्पिटल सीईओ श्याम चेयरमैन डॉ. एसएन बिड़ला, संगम कॉरपोरेट मोदानी, मैनेजिंग डायरेक्टर एचआर मनीष स्वामी, सीए अनुराम सोनी, एक्जीक्यूटिव निर्भीक गांधी, एनसीसी से डायरेक्टर वीके सोडाणी, श्रीमती वीना आदि उपस्थित एसडीएम भीलवाडा आईएएस थे ।

पत्रिकाओं, स्मारिका का विमोचन

प्रो. मानस रंजन पाणिग्रही, प्रो. प्रीति मेहता द्वारा विश्वविद्यालय प्रास्पेक्टस अवलोकन तथा अंतराष्ट्रीय कान्फ्रेंस स्मारिका, ट्रेनिंग प्लेसमेंट डायरेक्टर डॉ. अनुराग शर्मा द्वारा प्लेसमेंट ब्रोशर, प्रो. विभोर पालीवाल द्वारा, प्रबंधन विभाग की वार्षिक मैगजीन द एलोक्वेंट, फैकल्टी गौरव शर्मा की पुस्तक राइट ऑफ शेयरहोल्डर का विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया।

गोल्ड मेडल छात्राओं ने मारी बाजी